

न्यायालय सहायक कलक्टर जयपुर शहर (द्वितीय), जयपुर

केस संख्या : 71/12/20.23

उनवान:- रामलाल बनाम चिरेधीलाल

31/03

पत्रावली पैरा 2 में वकील उमरपत उपरिगत
वकील उमरपत की वकालत पर सुनी गई।
वह पर सुनी जाकर पत्रावली का अर्थ सुलझा
अवलोकन किया गया। अधिकांश संशुद्ध
अपूर्णताएँ मिलीं। प्राथमिक पत्रों में ना होकर अज्ञात
द्वि-पत्र में चली गयी। तैली व अलग-अलग
उपपत्र अन्तर्गत निवेदन के खारिज किए जाते
हैं। पत्रावली फ़ैल सुमां होकर इफे चेंबर के
वकालत डाकिल दफ्तर से निर्णय प्राप्त किंग
31/03 के लिखाया जाकर सरे उपलब्ध सुमां गमा
li.